

# मोटापे का बैक्टीरिया

**मो**टापा आजकल कई लोगों को परेशान करता है। मोटापा बढ़ने के कई कारण बताए जाते हैं और इससे निजात पाने के कई उपाय भी किए जाते हैं। यह एक अच्छा धंधा बन चला है। अब इस बात के प्रमाण मिल रहे हैं कि शायद मोटापा बढ़ने में एक बैक्टीरिया का 'हाथ' हो सकता है।



चीन में जियाओ तोंग विश्वविद्यालय के लिपिंग ज़ाओ और उनके साथियों ने एक निहायत मोटे व्यक्ति को 23 सप्ताह तक बगैर पॉलिश किए हुए अनाज, प्रोबायोटिक्स और अपचनीय कार्बोहायड्रेट्स की खुराक पर रखा। यह खुराक इस तरह चुनी गई थी कि इसकी मदद से उस बैक्टीरिया को नियंत्रण में रखा जा सकता था जो मोटापे के लिए ज़िम्मेदार माना जाता है। बैक्टीरिया पर अंकुश लगाने के लिए आंतों की अम्लीयता को बढ़ाकर रखा गया था।

उपरोक्त व्यक्ति का शुरुआती वज़न 175 किलोग्राम था और 23 सप्ताह में उसका वज़न 51 किलोग्राम कम हुआ। जब लोग वज़न घटाने के लिए सर्जरी करवाते हैं तो उनका वज़न औसतन 49 किलोग्राम कम होता है।

वज़न तो कम हुआ मगर टीम यह भी देखना चाहती थी कि क्या व्यक्ति के शरीर में बैक्टीरिया के संगठन में परिवर्तन हुआ है। इसके लिए उन्होंने यह देखा कि उक्त खुराक के

पहले और बाद में व्यक्ति की आंतों के बैक्टीरिया कैसे थे। यह देखा गया कि खुराक शुरू होने से पहले *एंटरोबैक्टर* की प्रचुरता थी। *एंटरोबैक्टर* विष-जनक बैक्टीरिया है। आंतों के बैक्टीरिया में इसका प्रतिशत 35 के आसपास था। खुराक के बाद यह नगण्य रह गया।

इसके बाद शोधकर्ताओं ने यह *एंटरोबैक्टर* कुछ चूहों को खिलाया ताकि यह पता लगाया जा सके कि क्या इसकी उपस्थिति से वज़न बढ़ता है। पाया गया कि इस नए बैक्टीरिया से लैस चूहों का वज़न तेज़ी से बढ़ा। तुलना के लिए कुछ बैक्टीरिया-रहित चूहों को वैसी ही खुराक पर रखा गया था। *इंटरनेशनल सोसायटी फॉर माइक्रोबियल इकॉलॉजी* में प्रकाशित शोध पत्र में बताया गया है कि बैक्टीरिया-युक्त चूहों का वज़न कम वसा और ज़्यादा वसा दोनों तरह की खुराकों पर सामान्य चूहों की अपेक्षा ज़्यादा तेज़ी से बढ़ा।

पहले किए गए अध्ययनों में यह तो पता चला था कि आंतों में पाए जाने वाले बैक्टीरिया और मोटापे में कुछ सम्बंध है मगर ताज़ा अध्ययन स्पष्ट रूप से दर्शाता है कि कुछ बैक्टीरिया मोटापा पैदा करते हैं। लिहाज़ा यह उपचार के नए रास्ते खोल सकता है। (*स्रोत फीचर्स*)